लोसर महोत्सव

सिक्किम का लोकनृत्य, मोमो का स्वाद

मानव संग्रहालय में महोत्सव शुरू, हिमालयी लोक परंपराओं की प्रस्तुति

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 2 जनवरी. ढोल की थाप, रंग-बिरंगे पारंपरिक वस्त्र, प्रार्थना चक्र के पास फहराते झंडे और हवा में घुली मोमो व सेल रोटी की खुशबू. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में शुक्रवार को कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब लोसर महोत्सव 2026 का शुभारंभ हुआ. सुबह 11 बजे शुरू हुए इस आयोजन ने लद्दाख और सिक्किम के लोकजीवन को जीवंत कर दिया.

महोत्सव की शुरुआत लद्दाखी चानसा रसोई में पारंपरिक अनुष्ठानिक पूजा से हुई. इसमें प्रार्थना चक्र के समीप ट्राचेन झंडा चढ़ाने की परंपरा का पालन किया गया. दोपहर 3 से साढ़े पांच बजे तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लद्दाख और सिक्किम के कलाकारों ने लोकनृत्यों के माध्यम से हिमालयी जीवन की झलक दिखलाई. लद्दाख का डेकर नृत्य सामूहिक ऊर्जा और अनुशासन का प्रतीक बनकर मंच पर उतरा. वहीं सिक्किम के शिंगे, लेपचा और नेपाली नृत्यों ने लोककथाओं, प्रकृति और परंपरा से जुड़े भावों को दर्शकों तक पहुंचाया. हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज सुनाई दी. महोत्सव में पारंपरिक भोजन खास आकर्षण रहा. दर्शकों ने सेल रोटी और आलू दम, खुरे चटनी और मोमो का स्वाद लिया. भोजन के जरिए लोगों को हिमालयी क्षेत्रों की सादगी और जीवनशैली से सीधा जुड़ाव महसूस हुआ. संयोजक श्रीकांत गुप्ता ने बताया

कि लोसर महोत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को बढ़ावा देने का माध्यम है. जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार के अनुसार यह आयोजन भारतीय सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है.

कर्मचारी स्वस्थ तो निगम की सेहत भी अच्छी होगी

पर्यटन भवन में नववर्ष मिलन समारोह में एमडी ने डॉ. इलैया राजा ने कहा

भोपाल, 2 जनवरी. निगम के कर्मचारी ही निगम की महत्वपूर्ण संपत्ति हैं, सभी अधिकारी कर्मचारियों की सेहत अच्छी होगी, तभी हमारे निगम की सेहत भी अच्छी होगी. यह बात शुक्रवार को पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा ने निगम के वाहन चालक संघ द्वारा निगम मुख्यालय पर्यटन भवन में आयोजित नव वर्ष 2026 के मिलन समारोह में कही.

उनके द्वारा निगम मुख्यालय में कार्यरत समस्त अधिकारी कर्मचारियों के हेल्थ चेकअप और सेहत और वेलनेस की बेहतरी के लिए निगम मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया गया. डॉ. इलैया राजा ने अधिकारी-कर्मचारियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा

कि जिस प्रकार नए साल के अवसर लोग स्वयं के लिए नए संकल्प और नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं. उसी प्रकार हम पर्यटन निगम परिवार भी अपने निगम की उत्तरोत्तर प्रगति और सफलता के नए आयाम स्थापित करने के लिए और लक्ष्य निर्धारित कर उन लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लें.

उन्होंने आशा व्ययक्त की सभी निगम परिवार के अधिकारी, कर्मचारी अपनी कड़ी मेहनत और लगन से निगम को आने वाले समय में ऊंचाइयों पर ले जाने का पूरा प्रयास करेंगे. इससे पूर्व निगम की वाहन चालक संघ के वाहन चालकों और निगम के अधिकारी, कर्मचारियों ने प्रबंधक संचालक डॉ इलैया राजा टी द्वारा वर्ष 2025 मे निगम के कर्मचारी कल्याण और कर्मचारियों के हितों में लिए गए निर्णयों के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया.

एक नजर में

राज्यपाल ने किया तमिल संगम के कैलेंडर का लोकार्पण

भोपाल, 2 जनवरी. राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने लोक भवन में भोपाल तमिल संगम (बीटीएस) के 2026 स्मारक कैलेंडर का लोकार्पण किया. भोपाल तमिल संगम के महासचिव थिरु ए. स्वामिदुरई ने कहा कि यह कैलेंडर युवाओं को थिरुक्कुरल की ज्ञान-गंगा, तमिल शास्त्रीय कलाओं की सौंदर्य परंपरा और त्योहारों की सांस्कृतिक भावना से जोड़ने वाला एक सेतु है. भोपाल तमिल संगम के अध्यक्ष थिरु पी. राजू ने कहा कि कैलेंडर का प्रत्येक पृष्ठ दृढ़ता, सेवा और सांस्कृतिक गौरव की कहानी कहता है. यह लोकार्पण ग्रैंड पोंगल 2026 महोत्सव का आधिकारिक शुभारंभ भी है, जो 18-19 जनवरी को करियर कॉलेज ऑडिटोरियम में होगा. इसमें तमिलनाडु कला एवं संस्कृति विभाग के कलाकारों तथा मध्यप्रदेश के स्थानीय कलाकारों द्वारा संयुक्त प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी. इस अवसर पर भोपाल तमिल संगम के उपाध्यक्ष राकेश कुमार, कोषाध्यक्ष ए. शिवकुमार भी उपस्थित रहे.

मैकाले की नीति से टूटी भारत की ज्ञान परंपरा : प्रो. तिवारी

भोपाल, 2 जनवरी. 1833 के चार्टर एक्ट के बाद लागू मैकाले की शिक्षा नीति ने भारत की प्राचीन और समृद्ध ज्ञान परंपरा को गहरा आघात पहुंचाया. यह बात राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नासिक के निदेशक प्रो. नीलाभ तिवारी ने शुक्रवार को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में अभिव्यक्त व्याख्यानमाला में कही. उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासन के दौरान लाखों गुरुकुल बंद कर दिए गए, जबकि ये गुरुकुल बिना सरकारी सहायता समाज के सहयोग से निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे थे. भारत शब्द की व्युत्पति पर उन्होंने कहा कि भारत ज्ञान के प्रकाश में रत देश है और इसकी पहचान ज्ञान खोज की परंपरा से रही है. प्रो. तिवारी ने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ज्ञान तक सीमित रह गई है और विद्या के वास्तविक अर्थ से दूर हो गई है. उन्होंने शिक्षा के भारतीय स्वरूप को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया. इससे पूर्व संस्थान के प्राचार्य प्रो. शिव कुमार गुप्ता, डीन प्रो. जयदीप मंडल ने प्रो. तिवारी का सम्मान किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ कुमार ने किया.

आज भोपाल शहर के 35 इलाकों में बिजली कटौती

भोपाल, 2 जनवरी. शहर के लगभग 35 इलाकों में शनिवार को मेंटनेंस के लिए कुछ समय बिजली बंद रहेगी. शनिवार सुबह 8 से 10 बजे तक दानिश कुंज-2 और 3, सिद्धी समृद्धि हाइट्स.10 से दोपहर 3 बजे तक आदित्य एवेन्यू, गार्डन स्टेट, सुविधा विहार, सूरज नगर. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक पुष्पा नगर, 80 फीट रोड, ग्राम गद्दा रोड, नगर निगम ऑफिस, कम्मू का बाग, महामाई का बाग, शंकराचार्य नगर.10 से शाम 5 बजे तक सुहागपुर, सुभालय सुहागा, फेथकलां, नरेला हनुमंत, गुरारीघाट, रतनपुर सड़क, पिपलिया केशो, सेज ग्रीन सिटी, ऑस्ट्रिया कॉलोनी. दोपहर 1 से 4 बजे तक बरखेड़ीकलां, बरखेड़ी खुर्द, डेयरी स्टेट कॉलोनी, चंदनपुरा, मेंडोरा सहित अन्य इलाकों में बिजली बंद रहेगी.

नववर्ष पर नेमिनाथ भगवान का महामस्तिकाभिषेक

भोपाल, 2 जनवरी. नववर्ष की प्रथम चतुर्दशी पर उपाध्याय विशोक सागर एवं श्रमण विनिबोध सागर मुनिराज ससंघ सानिध्य में भोपाल के झिरनो मन्दिर में अतिशयकारी नेमिनाथ भगवान का मस्तकाभिषेक शांतिधारा एवं नेमिनाथ विधान महाअर्चना धूमधाम से की गई.

इस अवसर पर विशोक सागर मुनिराज ने अपने उपदेश में कहा कि शास्त्रों में चार प्रकार के अभिषेक का विधान है प्रथम जन्माभिषेक जो तीर्थंकर बालक का जन्म के समय सौधर्म इंद्र के द्वारा सुमेरु पर्वत पाण्डुक शिला पर 1008 कलशों से क्षीर सागर के जल से होता हैं, दूसरा अभिषेक राज्याभिषेक होता हैं जब तीर्थंकर

का राजतिलक होता हैं तब, तीसरा दीक्षाभिषेक जब वह दीक्षा लेते हैं उसके पूर्व होता हैं, चौथा प्रतिमाभिषेक जब तीर्थंकर के पांचों कल्याणक होने के बाद प्रतिमा का अभिषेक कर सभी भक्त गण अपने पापों का प्रक्षालन करते हैं.

नववर्ष मिलन कार्यक्रम में लेखिका हर्षा का सम्मान

भोपाल, 2 जनवरी. पंचवटी एक्सटेंशन प्रांगण में नव वर्ष पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. संघ के सचिव विजय घारू ने नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और सभी रहवासियों का आभार व्यक्त किया. इस कार्यक्रम में सभी रहवासियों ने अपनी पुरानी यादें ताजा की. इस अवसर पर संत शिरोमणि हिरदाराम जी के जीवन दर्शन कराती संत हिरदावाणी यू ट्यूब पर अपलोड की गईं. लेखिका-कवयित्री हर्षा कन्हैया मूलचंदानी को शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा आयोजित गेम्स का संचालन रंजना अग्रवाल ने किया . बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी.

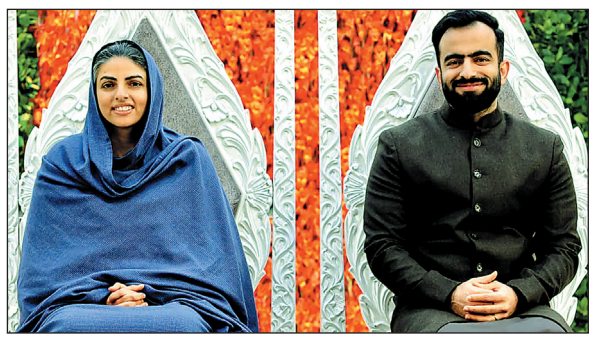

निरंकार की रजा में जीवन जीना ही सच्ची साधना

नववर्ष के अवसर पर निरंकारी सतगुरु का संदेश

भोपाल, 2 जनवरी. 'निरंकार की रजा में जीवन जीना ही सच्ची साधना है.' यह प्रवचन निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज द्वारा नववर्ष के शुभ अवसर पर दिल्ली स्थित ग्राउंड नम्बर 8, निरंकारी चौक, बुराड़ी रोड में आयोजित विशेष सत्संग समारोह में दिए गये.

इस सत्संग में दिल्ली, एन.सी.आर. सहित विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए. सभी भक्तों ने नव वर्ष के प्रथम दिन सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी के सान्निध्य में उनके दिव्य दर्शन और प्रेरणादायक प्रवचनों से आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का सुखद आनंद प्राप्त किया.

सतगुरु माता जी ने फरमाया कि नववर्ष का प्रथम दिवस हमें संतों के वचनों को सुनने और उन्हें जीवन में अपनाने का अनमोल अवसर देता है. जहां संसार वर्ष की शुरुआत मौज-मस्ती से करता है, वहीं संत सत्य और सत्संग का मार्ग चुनते हैं. सत्संग से आरंभ हुआ जीवन हर पल निरंकार के एहसास को और अधिक दृढ़ करता चला जाता है.

उन्होंने कहा कि नववर्ष केवल धरती का सूर्य के चारों ओर एक चक्कर और ऋतुओं का परिवर्तन है. हम शुभकामनाएं देते हैं और नए संकल्प लेते हैं, पर वास्तविक परिवर्तन तभी सार्थक होता है, जब वह भीतर से आए.

संत आत्ममंथन द्वारा सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं और निरंकार को सर्वोपरि मानते हुए सेवा, सुमिरन और सत्संग को जीवन की प्राथमिकता बनाते हैं. उन्होंने कहा कि नववर्ष केवल तारीख़ का परिवर्तन नहीं, बल्कि प्रेम, मिठास, सौम्यता और समझ को अपनाने का अवसर है. मनमुटाव और द्वेष से दूर रहकर, दूसरों के भावों को समझते हुए, दोषों पर पर्दा डालकर गुणों को अपनाना ही सच्ची भक्ति है.

भारत भवन में जनजातीय कलाओं का मेला 9 से

भोपाल, 2 जनवरी. भारत भवन में 9 से 11 जनवरी भोपाल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के अंतर्गत ट्राइबल आर्ट कैंप एंड फेयर 2026 का आयोजन किया जा रहा है. तीन दिन चलने वाले इस आयोजन में देशभर की आदिवासी कला और संस्कृति एक मंच पर दिखाई देगी. आयोजन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों सहित कुल 10 राज्यों से 60 से अधिक आदिवासी कलाकार भाग लेंगे. मेले में गोंड, बैगा, भील, पिथोरा, वारली और भारिया चित्रकला का प्रदर्शन होगा.

हिंदू सम्मेलन के लिए ध्वज का भूमिपूजन

भोपाल, 2 जनवरी. हर्षवर्धन नगर राजमाता सिंधिया मैदान पर शुक्रवार सकल हिंदू सम्मेलन के लिए ध्वज का भूमिपूजन किया गया. यह सम्मेलन 11 जनवरी को होगा.

एसजीएसयू में 'विद्यारंगम' का दो दिवसीय आयोजन

भोपाल, 2 जनवरी. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू), भोपाल के स्कूल ऑफ बैंकिंग, फाइनेंस एंड कॉमर्स द्वारा दो दिवसीय शैक्षणिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम 'विद्यारंगम 2K25' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करना रहा.

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलगुरु डॉ विजय सिंह , कुलसचिव डॉ सितेश कुमार

सिन्हा , टीएनपी हेड धीरज प्रसाद ,हेड ऑफ़ मैनेजमेंट स्कूल डॉ कुमार सिद्धार्थ , हेड ऑफ़ बैंकिंग फाइनेंस कॉमर्स डॉ नीता वायडंडे ,डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ विनोद शर्मा उपस्थित रहे.

कार्यक्रम के पहले दिन शैक्षणिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'लोगोमेनिया' का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात ऊर्जावान नृत्य प्रतियोगिता 'संस्कृति वाइब्स' ने सांस्कृतिक विविधता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर प्रदर्शन किया.

एम्स में डॉक्टर्स को बताए तनावमुक्त रहने के तरीके

भोपाल, 2 जनवरी. एम्स भोपाल के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर द्वारा शुक्रवार को 'चिकित्सा पेशे में तनाव, बर्नआउट एवं भावनात्मक थकान प्रबंधन' विषय पर विशेष अनुभवात्मक सत्र का आयोजन किया गया. यह सत्र विशेष रूप से संस्थान के फैकल्टी सदस्यों के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य उच्च दबाव वाले शैक्षणिक और चिकित्सकीय वातावरण में मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना था. आर्ट ऑफ लिविंग की सीनियर फैकल्टी प्रियंका जैन ने गेस्ट फैकल्टी के रूप में चिकित्सा पेशे से जुड़े भावनात्मक, शारीरिक दबावों को ध्यान में रखते हुए मानसिक दृढ़ता बढ़ाने के लिए व्यावहारिक वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित उपायों पर विशेष जोर दिया.

कार्यक्रम | ध्रुपद संस्थान में कवियों ने शब्दों से जीवंत की पुरानी यादें

घर में गल्ला भरा रहे तो दुनिया भरी-भरी लगती है

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 2 जनवरी. घर में गल्ला भरा रहे तो दुनिया भरी-भरी लगती है, पेट में रोटी पड़ी हो तो दुनिया भरी भरी लगती है। ये कहती अम्मा बड़ी याद आती है. ये पंक्तियां शुक्रवार शाम जब राजधानी के सूरज नगर स्थित ध्रुपद संस्थान में कवि शशांक गर्ग ने पढ़ी, तो तालियों की गड़गड़ाहट के साथ दर्शकों को अपने बचपन की याद दिला दी.

वहीं साथी को प्रेमपूर्वक सुन लेना ही काफी है, क्योंकि प्रेम में केवल धैर्य ही प्रिय है, जैसी कविताओं ने युवा सहित हर वर्ग के दर्शकों को बांधे रखा. सिनेकारी के सातवें संस्करण

का आयोजन सुदीप सोहनी द्वारा किया गया. जिसमें कविता पाठ, जग्गू और मागाहारी फिल्म का पोस्टर लॉन्च सहित तीन लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई. कार्यक्रम में कवि प्रयाग शुक्ल की अध्यक्षता में अनिरुद्ध उमट, अनुलता राज नायर, श्रद्धा श्रीवास्तव, शशांक गर्ग और मौलश्री सक्सेना ने कविता पाठ कर दर्शकों को शब्दों की उछास के साथ जीवन की उजास से परिचित कराया.

कार्यक्रम में विनय उपाध्याय ने कहा कि सिनेकारी ने साल दर साल अपना कदम बढ़ाया है, इसकी गति गुनगुनाती शाम में सिनेकारी में कविताओं की कला प्रस्तुत करती सुरीली होती जा रही है. कार्यक्रम में प्रयाग शुक्ल ने भी शमशेर बहादुर सिंह की कविता पूर्णिमा का चांद पढ़ी. जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया.

इस अवसर पर लघु फिल्मों में राजेंद्र जांगले द्वारा निर्देशित ओरछा, गमन अक्षत पाठक द्वारा निर्देशित और उम्मीद आकाश इखारे द्वारा निर्देशित फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई. जिसे दर्शकों ने काफी सराहा. इसके बाद फिल्म निर्देशकों के साथ सिने यात्रा चित्र प्रदर्शनी पर संवाद भी किया गया.